[Time: 2 Hrs.] **[Marks: 60]**

Please check whether you have got the right question paper.

N.B.: 1. Answer any six questions, out of which question no.9 is compulsory.
2. Marks are indicated against each questions.

Q.1 Explain the need any four avenues of continuous professional development of Sanskrit teacher. **(10)**

Q.2 Describe the Appreciation method of teaching Sanskrit poetry. State its merits. **(10)**

Q.3 "The learning resources make teaching and learning of Sanskrit effective". Elaborate with reference to use of visual learning resources. **(10)**

Q.4 Illustrate the maxims, 'Particular to General' and 'Known to Unknown' in teaching of Sanskrit. **(10)**

Q.5 "Sanskrit language helps to transmit the core elements among students." Explain with reference to any two core elements. **(10)**

Q.6 Explain the significance of speaking competency. Suggest any four activities to develop speaking competency of the students. **(10)**

Q.7 "Diagnostic and remedial teaching in Sanskrit helps to enhance the performance of the learner." Illustrate. **(10)**

Q.8 Elucidate the place of Sanskrit subject in the present school curriculum. **(10)**

Q.9 Attempt briefly **any two** of the following. **(10)**

a) Objectives of teaching Sanskrit at secondary level
b) Advantages of guided composition in Sanskrit at early stage
c) Merits of loud reading
d) Pure-hard, Pure-soft classification of academic disciplines

****

2337C0CD50FE594F32A7EB635DFF8E0F

मराठी अनुवाद

[**वेळ**: **२ तास**] [**गुण**: ६०]

प्र.१ संस्कृत शिक्षकाच्या निरंतर व्यावसायिक विकासाची गरज आणि त्याचे कोणतेही चार मार्ग स्पष्ट करा. **(१०)**

प्र.२ संस्कृत पद्य अध्यापनाच्या रसग्रहण पद्धतीचे वर्णन करा. तिचे गुण लिहा. **(१०)**

प्र.३ "अध्ययन संसाधने संस्कृतचे अध्यापन आणि अध्ययन प्रभावी करतात." दृक अध्ययन संसाधनांच्या उपयोग संदर्भात सविस्तर लिहा. **(१०)**

प्र.४ संस्कृत अध्यापनात, 'विशिष्टाकडून सामान्याकडे' आणि 'ज्ञाताकडून अज्ञाताकडे' सूत्रे सोदाहरण लिहा. **(१०)**

प्र.५ "संस्कृत भाषा गाभा घटक विद्यार्थ्यांमध्ये संक्रमित करण्यासाठी मदत करते." कोणत्याही दोन गाभा घटकांच्या संदर्भात स्पष्ट करा. **(१०)**

प्र.६ भाषण क्षमतेचे महत्त्व स्पष्ट करा. विद्यार्थ्यांची भाषण क्षमता विकसित करण्यासाठी कोणतेही चार उपक्रम सूचवा. **(१०)**

प्र.७ "निदानात्मक आणि उपचारात्मक अध्यापन अध्ययनकर्त्याचे संस्कृतमधील कार्यसंपादन उंचावण्यास सहाय्य करतात." सोदाहरण लिहा. **(१०)**

प्र.८ वर्तमान शालेय अभ्यासक्रमातील संस्कृत विषयाचे स्थान विशद करा. **(१०)**

प्र.९ खालीलपैकी **कोणत्याही दोहोंवर** थोडक्यात लिहा. **(१०)**

अ. माध्यमिक स्तरावर संस्कृत अध्यापनाची उद्दिष्टे

ब. संस्कृतमध्ये प्रारंभिक स्तरावर मार्गदर्शित निबंधाचे फायदे

क. प्रकट वाचनाचे गुण

ड. शैक्षणिक विद्याशाखांचे शुद्ध-मृदू आणि शुद्ध-कठीण वर्गीकरण

****

2337C0CD50FE594F32A7EB635DFF8E0F

हिंदी अनुवाद

[समय: २ घंटे] **[अंक: ६०]**

प्र.१ संस्कृत शिक्षक के निरंतर व्यावसायिक विकास की आवश्यकता और उसके किन्ही चार मार्ग स्पष्ट कीजिए | **(१०)**

प्र.२ संस्कृत पद्य अध्यापन की रसग्रहण विधि का वर्णन कीजिए | उसके गुण लिखिए | **(१०)**

प्र.३ "अध्ययन संसाधन संस्कृत का अध्यापन और अध्ययन प्रभावी बनाते है" दृक अध्ययन संसाधनों के उपयोग संदर्भ में विस्तार लिखिए | **(१०)**

प्र.४ संस्कृत अध्यापन में, 'विशेष से सामान्य की ओर' और 'ज्ञातसे अज्ञात की ओर' सूत्रों को सोदाहरण लिखिए | **(१०)**

प्र.५ "संस्कृत भाषा घाभा घटक छात्रों में संक्रमित करने के लिए मदत करते है |" किन्ही दो गाभा घटकों के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए | **(१०)**

प्र.६ भाषण क्षमता का महत्त्व स्पष्ट कीजिए | विद्यार्थियों की भाषण क्षमता का विकास करने के लिए किन्ही चार उपक्रम सुझाइये | **(१०)**

प्र.७ "संस्कृत में निदानात्मक और उपचारात्मक शिक्षण अध्ययनकर्ताओं के कार्यसंपादन में वृद्धी करने में सहायता करता है |" सोदाहरण लिखिए **(१०)**

प्र.८ वर्तमान शालेय पाठयक्रम में संस्कृत विषय का स्थान विशद कीजिए | **(१०)**

प्र.९ निम्नलिखित से किन्ही दो पर संक्षेप में लिखिए | **(१०)**

अ. माध्यमिक स्तर पर संस्कृत अध्यापन के उद्देश्य |

ब. संस्कृत में प्रारंभिक स्तर पर मार्गदर्शित निबंध के फायदे |

क. सस्वर वाचन के गुण |

ड. शैक्षिक विद्याशाखा के शुद्ध-मृदु और शुद्ध-कठीन वर्गीकरण |

****

2337C0CD50FE594F32A7EB635DFF8E0F